



Mr.

25 Jun 1988

04:15 AM

Uttarkashi

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 119149402

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
24-25/06/1988 : _____ जन्म तिथि _____ : **25/06/2025**
 शुक्र-शनिवार : _____ दिन _____ : बुधवार
 घंटे 04:15:00 : _____ जन्म समय _____ : 15:56:19 घंटे
 घटी 57:29:27 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 26:41:59 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Uttarkashi : _____ स्थान _____ : Uttarkashi
 उत्तर 30:44:00 : _____ अक्षांश _____ : 30:44:00 उत्तर
 पूर्व 78:19:00 : _____ रेखांश _____ : 78:19:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे -00:16:44 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : -00:16:44 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 05:15:13 : _____ सूर्योदय _____ : 05:15:31
 19:23:10 : _____ सूर्यास्त _____ : 19:23:09
 23:41:49 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:12:49
 वृष : _____ लग्न _____ : तुला
 शुक्र : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : शुक्र
 तुला : _____ राशि _____ : मिथुन
 शुक्र : _____ राशि-स्वामी _____ : बुध
 स्वाति : _____ नक्षत्र _____ : आर्द्रा
 राहु : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : राहु
 1 : _____ चरण _____ : 1
 शिव : _____ योग _____ : वृद्धि
 गर : _____ करण _____ : नाग
 रू-रूपेश : _____ जन्म नामाक्षर _____ : कू-कुसुम
 कर्क : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : कर्क
 शूद्र : _____ वर्ण _____ : शूद्र
 मानव : _____ वश्य _____ : मानव
 महिष : _____ योनि _____ : श्वान
 देव : _____ गण _____ : मनुष्य
 अन्त्य : _____ नाडी _____ : आद्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : मार्जार
 37 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 38

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
मृगशिरा	1	24:45:03	वृष			लग्न			तुला	25:56:55	2	विशाखा
आर्द्रा	1	09:54:44	मिथु			सूर्य			मिथु	09:54:43	1	आर्द्रा
स्वाति	1	08:17:06	तुला			चंद्र			मिथु	09:51:52	1	आर्द्रा
पू०भाद्रपद	2	26:37:04	कुंभ			मंगल			सिंह	10:21:13	4	मघा
मृगशिरा	1	24:27:15	वृष			बुध			कर्क	03:57:33	1	पुष्य
कृतिका	2	01:06:27	वृष			गुरु		अ	मिथु	09:19:57	1	आर्द्रा
रोहिणी	4	22:04:13	वृष व			शुक्र			मेष	25:45:12	4	भरणी
मूल	2	05:13:18	धनु व			शनि			मीन	07:27:27	2	उ०भाद्रपद
पू०भाद्रपद	2	23:30:26	कुंभ व			राहु व			कुंभ	27:23:21	3	पू०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	4	23:30:26	सिंह व			केतु व			सिंह	27:23:21	1	उ०फाल्गुनी
मूल	2	05:09:50	धनु व			मु		अ	मिथु	24:45:03	2	पुनर्वसु

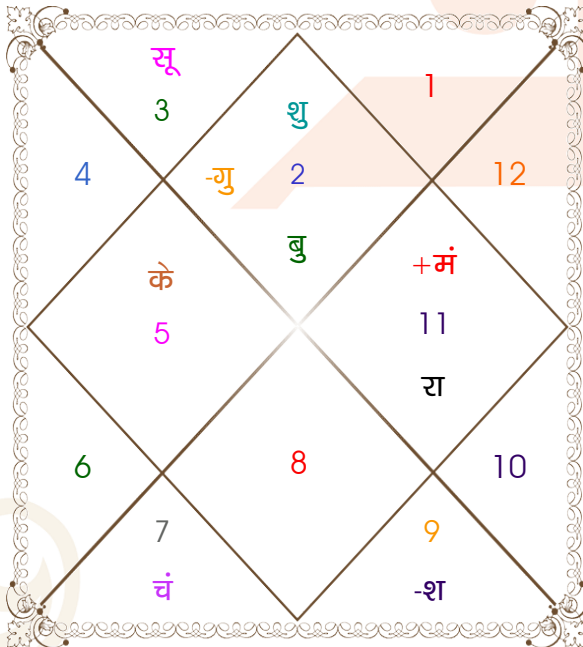
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

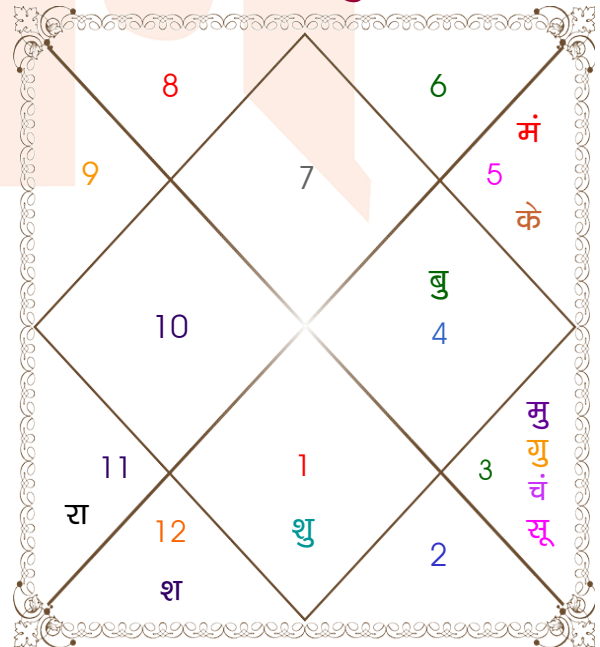
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:49

लग्न-चलित



वर्ष लग्न कुंडली



FUTUREPOINT
Astro Solutions



एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोन:- 011-40541000, 40541020

Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - बुध - शनि	शनि - केतु - केतु	शनि - केतु - शुक्र	शनि - केतु - सूर्य
28/07/2025 00:16	30/12/2025 16:09	23/01/2026 06:54	31/03/2026 18:11
30/12/2025 16:09	23/01/2026 06:54	31/03/2026 18:11	20/04/2026 23:58
शनि 21/08/2025 15:47	केतु 01/01/2026 01:13	शुक्र 03/02/2026 12:47	सूर्य 01/04/2026 18:28
बुध 12/09/2025 17:02	शुक्र 04/01/2026 23:41	सूर्य 06/02/2026 21:45	चंद्र 03/04/2026 10:57
केतु 21/09/2025 18:57	सूर्य 06/01/2026 04:01	चंद्र 12/02/2026 12:41	मंगल 04/04/2026 15:17
शुक्र 17/10/2025 17:36	चंद्र 08/01/2026 03:15	मंगल 16/02/2026 11:09	राहु 07/04/2026 16:09
सूर्य 25/10/2025 12:24	मंगल 09/01/2026 12:18	राहु 26/02/2026 14:02	गुरु 10/04/2026 08:56
चंद्र 07/11/2025 11:44	राहु 13/01/2026 01:19	गुरु 07/03/2026 13:56	शनि 13/04/2026 13:50
मंगल 16/11/2025 13:39	गुरु 16/01/2026 04:53	शनि 18/03/2026 06:19	बुध 16/04/2026 10:40
राहु 09/12/2025 22:02	शनि 19/01/2026 22:37	बुध 27/03/2026 19:43	केतु 17/04/2026 15:00
गुरु 30/12/2025 16:09	बुध 23/01/2026 06:54	केतु 31/03/2026 18:11	शुक्र 20/04/2026 23:58
शनि - केतु - चंद्र	शनि - केतु - मंगल	शनि - केतु - राहु	शनि - केतु - गुरु
20/04/2026 23:58	24/05/2026 17:36	17/06/2026 08:21	17/08/2026 01:42
24/05/2026 17:36	17/06/2026 08:21	17/08/2026 01:42	10/10/2026 01:07
चंद्र 23/04/2026 19:26	मंगल 26/05/2026 02:40	राहु 26/06/2026 10:57	गुरु 24/08/2026 06:25
मंगल 25/04/2026 18:40	राहु 29/05/2026 15:40	गुरु 04/07/2026 13:16	शनि 01/09/2026 19:31
राहु 30/04/2026 20:06	गुरु 01/06/2026 19:14	शनि 14/07/2026 04:00	बुध 09/09/2026 11:02
गुरु 05/05/2026 08:03	शनि 05/06/2026 12:58	बुध 22/07/2026 18:28	केतु 12/09/2026 14:36
शनि 10/05/2026 16:15	बुध 08/06/2026 21:16	केतु 26/07/2026 07:29	शुक्र 21/09/2026 14:31
बुध 15/05/2026 10:57	केतु 10/06/2026 06:19	शुक्र 05/08/2026 10:22	सूर्य 24/09/2026 07:17
केतु 17/05/2026 10:11	शुक्र 14/06/2026 04:47	सूर्य 08/08/2026 11:14	चंद्र 28/09/2026 19:14
शुक्र 23/05/2026 01:07	सूर्य 15/06/2026 09:07	चंद्र 13/08/2026 12:41	मंगल 01/10/2026 22:48
सूर्य 24/05/2026 17:36	चंद्र 17/06/2026 08:21	मंगल 17/08/2026 01:42	राहु 10/10/2026 01:07
शनि - केतु - शनि	शनि - केतु - बुध	शनि - शुक्र - शुक्र	शनि - शुक्र - सूर्य
10/10/2026 01:07	13/12/2026 03:25	08/02/2027 11:48	20/08/2027 06:18
13/12/2026 03:25	08/02/2027 11:48	20/08/2027 06:18	17/10/2027 02:15
शनि 20/10/2026 04:41	बुध 21/12/2026 06:25	शुक्र 12/03/2027 14:53	सूर्य 23/08/2027 03:42
बुध 29/10/2026 06:36	केतु 24/12/2026 14:42	सूर्य 22/03/2027 06:13	चंद्र 27/08/2027 23:22
केतु 02/11/2026 00:20	शुक्र 03/01/2027 04:06	चंद्र 07/04/2027 07:45	मंगल 31/08/2027 08:20
शुक्र 12/11/2026 16:44	सूर्य 06/01/2027 00:55	मंगल 18/04/2027 13:38	राहु 09/09/2027 00:31
सूर्य 15/11/2026 21:39	चंद्र 10/01/2027 19:37	राहु 17/05/2027 11:37	गुरु 16/09/2027 17:35
चंद्र 21/11/2026 05:50	मंगल 14/01/2027 03:54	गुरु 12/06/2027 04:29	शनि 25/09/2027 21:21
मंगल 24/11/2026 23:34	राहु 22/01/2027 18:22	शनि 12/07/2027 17:00	बुध 04/10/2027 01:58
राहु 04/12/2026 14:19	गुरु 30/01/2027 09:53	बुध 09/08/2027 00:26	केतु 07/10/2027 10:56
गुरु 13/12/2026 03:25	शनि 08/02/2027 11:48	केतु 20/08/2027 06:18	शुक्र 17/10/2027 02:15

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजन्मषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

* * * * *

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए उत्तम रहेगा तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को आप उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको इच्छित सफलताएं भी प्राप्त होंगी। मानसिक रूप से भी इस समय आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा मन में शान्ति बनी रहेगी। विभिन्न शास्त्रों को ज्ञानार्जन में इस समय आपकी रुचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक इनका ज्ञान प्राप्त करेंगे। साथ ही रत्न आदि की भी प्राप्ति होगी एवं मिष्टान्न भोजन के प्रति विशेष रुचि रहेगी। इस समय आप सर्व भौतिक सुख संसाधनों को अर्जित करेंगे तथा आनन्द पूर्वक उनका उपभोग करेंगे। इस वर्ष में आपके प्रताप तथा प्रभाव में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष को पराजित करने में भी आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे भयभीत रहेंगे। स्त्री पक्ष से इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा समयानुसार लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। इस समय आपकी समाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश भी व्याप्त होगा।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति की दृष्टि से यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में आपकी उन्नति तथा विस्तार होगा तथा सर्वत्र लाभ एवं सफलता के मार्ग प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी इस समय आपको इच्छित उन्नति प्राप्त होगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग या नेताओं से भी आपके मधुर संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा। खेल के क्षेत्र में भी इस समय आप इच्छित सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति भी आपकी सुदृढ़ रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः सुख एवं आनन्दपूर्वक आपका यह वर्ष व्यतीत होगा।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोड़े से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथा:-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्विहास्वामिसौम्येत्यशालं प्रपन्ना ।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य ॥

- * - * - * - * - * - * - * - * - * - *

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक प्रसन्नता भी बनी रहेगी। साथ ही आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य उत्साह तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे। इस समय आपकी बुद्धि में तीव्रता रहेगी तथा सभी लोग आपकी बुद्धि का प्रभाव स्वीकार करेंगे। धर्म तथा धार्मिक कार्यों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा देवता एवं ब्राह्मणों की आप नियम पूर्वक पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगे। इस समय आपको संतति पक्ष से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे पूर्ण सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही पुत्र संतति की भी इस समय प्राप्ति की संभावना रहेगी। इस वर्ष में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में रहेगा तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। अतः आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति तथा सफलता की दृष्टि से वर्ष अनुकूल रहेगा। इस समय आपके सौभाग्य में वृद्धि होगी तथा अधिकांश विगत रुके हुए कार्यों में भी आपको सफलता मिलेगी। नौकरी या राजनीति में आपके वरिष्ठ अधिकारी तथा नेता आपसे सन्तुष्ट रहेंगे फलतः किसी उच्च तथा प्रभावशाली पद पर आपकी उन्नति हो सकती है। साथ ही इनसे आपको पूर्ण सहयोग एवं लाभ भी मिलेगा जिससे आपका यश दूर दूर तक व्याप्त होगा। इसके अतिरिक्त सभी पारिवारिक जनों, बन्धु एवं मित्रों से भी आपके मधुर संबन्ध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग तथा लाभ मिलता रहेगा। अतः आपका लिए यह वर्ष शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा।